मेट्रो-3 कॉरिडोर में 45.6% रूट पर बिछी ट्रैक

ट्रैक वेल्डिंग का काम 65 प्रतिशत हुआ पूरा

■ **वसं, मुंबई :** दिसंबर, 2023 तक मेट्रो सेवा शुरू करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रशासन ने मेट्रो-3 कॉरिडोर के निर्माण की रफ्तार बढ़ा दी है। प्रॉजेक्ट का 76 प्रतिशत कम पूरा होने के बाद मेट्रो प्रशासन द्वारा ट्रैक बिछाने का काम तेज कर दिया गया है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) के अनुसार पूरे रूट 45.6 प्रतिशत ट्रैक बिछाने का काम पूरा कर लिया गया है।

मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो के लिए जापानी ट्रैक की पूरी खेप मुंबई पहुंच चुकी है। जापानी ट्रैक को बिछाने के लिए ट्रैक वेल्डिंग का भी कार्य 65 प्रतिशत तक हो चुका है। सरकार ने मेट्रो-3 कॉरिडोर के पहले फेस के तहत दिसंबर, 2023 से सिप्ज से बीकेसी के बीच सेवा शुरू करने की योजना बनाई है। पहले फेस का निर्माण कार्य 80 प्रतिशत तक हो चुका है। जून, 2024 तक पूरे रूट पर ट्रेन चलाने की योजना है। दूसरे फेस का 73 प्रतिशत निर्माण कार्य हो चुका है।

अत्याधुनिक होगा ट्रैक

कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच बन रहे कॉरिडोर के मार्ग पर 2021 मार्च से ट्रैक बिछाने के काम की शुरुआत की गई थी। भूमिगत मार्ग पर देश का सबसे हाइटेक ट्रैक का इस्तेमाल किया जा रहा है। जापान से लाए गए ट्रैक देश में इस्तेमाल हुए अन्य ट्रैक से 20 गुना कम कंपन के साथ ही आवाज भी कम करता है। 33.5 किमी मार्ग के लिए अप और डाउन दिशा को मिलाकर कुल 66.07 किमी तक ट्रैक बिछाए जाने हैं। अब तक ट्रैक बिछाने का काम 45 प्रतिशत तक हो चुका है। पूरे मार्ग पर करीब 10,745 मैट्रिक टन ट्रैक का इस्तेमाल होगा।

5 किमी रूट पर होगा ट्रायल रन

एमएमआरसीएल नवंबर के अंत या दिसंबर के पहले सप्ताह से ट्रायल रन के दायरे को बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके तहत आगामी कुछ दिनों से 3 किमी के बजाय 5 किमी के रूट पर मेट्रो दौड़ेगी। मौजूदा समय में मेट्रो का ट्रायल रन सारीपुत नगर (सिप्ज) से मरोल नाका स्टेशन के बीच हो रहा है, जो बढ़कर सारीपुत नगर से सहार रोड स्टेशन तक हो जाएगा।

यात्रियों को तेजी से उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाने के लिए मेट्रो को 85 किमी प्रति घंटे के हिसाब से ट्रैक पर दौड़ाया जाएगा। एमएमआरसीएल के अनुसार, मेट्रो को अधिकतम 95 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक दौड़ाया जा सकता है, किंतु शुरुआती चरण में इसे 85 किमी प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ाया जाएगा। देश में बने मेट्रो रेक में बिजली की बचत करने का भी पूरा खयाल रखा गया है। आठ डिब्बे की रेक को रोकने के लिए रिजनरेटिव ब्रेक का इस्तेमाल होगा। इसकी वजह से करीब 30 प्रतिशत बिजली की बचत होगी।

प्रोग्रेस रिपोर्ट

- फेस 1 - 80 %
- फेस 2 - 73.9 %
- ओवरऑल प्रॉजेक्ट 76.6 %